क्या प्रोस्टेट कैंसर की जांच मेरे लिए सही है?

क्या है प्रोस्टेट कैंसर

प्रोस्टेट ग्रंथि सिर्फ पुरुषों में ही होती है। यह ग्रंथि अखरोट के आकार की होती है जो मूत्राशय (ब्लैडर) के नीचे स्थित होती है। प्रोस्टेट उस मार्ग को घेर लेता है जहां से नली के माध्यम से मूत्र शरीर से बाहर निकलता है।

मेल पेल्विस एनाटमी (शरीर रचना)

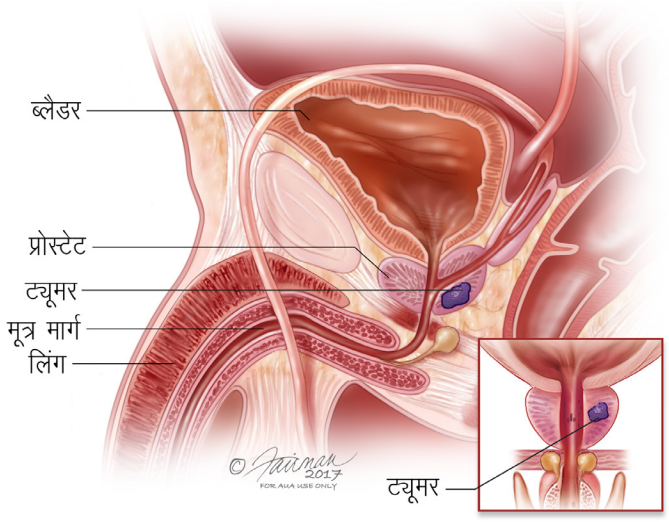

प्रोस्टेट कैंसर तब होता है जब आपके प्रोस्टेट में मौजूद असामान्य कोशिकाएं अनियंत्रित तरीके से विकसित होती हैं। प्रोस्टेट कैंसर कोशिकाओं की वजह से आपकी ग्रंथि में ट्यूमर भी हो सकता है और ये ट्यूमर से निकलकर फैलती जाती हैं। ये रक्त वाहिकाओं या लसिका वाहिकाओं के माध्यम से फैलती जाती हैं और शरीर के दूसरे हिस्सों को अपनी चपेट में ले लेती हैं। कोशिकाओं में कैंसर फैलने के बाद ये शरीर के अन्य अंगों और ऊतकों तक पहुंच जाती हैं जहां से नए ट्यूमरों तक इनका विस्तार हो सकता है, जिससे जो भी हिस्सा इनके संपर्क में आता है उसे नुकसान होता है।

प्रोस्टेट की अन्य स्थितियां

- **प्रोस्टेटाइटिस और पुराना पेल्विक दर्द** – ऐसी स्थितियां हैं, जिनकी वजह से प्रोस्टेट में सूजन और लिंग व श्रोणि के आसपास मूत्र के आसपास सूजन होती है।
- **बढ़ी हुई प्रोस्टेट या बिनाइन प्रोस्टेटिक हाइपरप्लैसिया (बीपीएच)** – यह एक ऐसी स्थिति है जहां से प्रोस्टेट बढ़ता जाता है और मूत्र संबंधी व अन्य समस्याएं शुरू हो जाती हैं।

क्या जांच करानी चाहिए?

"स्क्रीनिंग" का अर्थ है किसी भी बीमारी के लिए परीक्षण कराना, भले ही आपके शरीर में उसके कोई लक्षण ना हों। प्रोस्टेट कैंसर की जांच कराना व्यक्ति की अपनी इच्छा पर निर्भर करता है और इसे गंभीरता से लेना चाहिए। आप डॉक्टर के साथ बीमारी के जोखिम के बारे में बातचीत शुरू कर सकते हैं, जिसमें आपके बारे में और पारिवारिक पृष्ठभूमि भी शामिल है। उसके बाद डॉक्टर से इसके परीक्षण के लाभ और जोखिमों के बारे में बात करें।

आमतौर पर जांच की सलाह 45 से 69 वर्ष की आयु के बीच के पुरुषों को दी जाती है जिनमें इसके कोई लक्षण नहीं पाए जाते हैं।

कुछ पुरुष जिनमें प्रोस्टेट कैंसर होने का अधिक खतरा होता है, उन्हें 40–45 वर्ष के बीच की उम्र में ही जांच पर विचार करना चाहिए। इसमें धूम्रपान करने वाले, ऐसे अफ्रीकी अमेरिकी पुरुष शामिल हैं, जिनके पिता, भाई या बेटे को प्रोस्टेट कैंसर हुआ हो।

प्रोस्टेट कैंसर के लिए कौन–से स्क्रीनिंग टेस्ट हैं

- डिजिटल रेक्टल एक्जाम (डीआरई): प्रोस्टेट से जुड़ी समस्याओं को महसूस करने के लिए यह एक शारीरिक जांच है।
- प्रोस्टेट–स्पेसिफिक एंटीजन (पीएसए): यह प्रोस्टेट में पाए जाने वाले प्रोटीन को मापने के लिए एक रक्त परीक्षण है।
  – कम पीएसए स्कोर का होना एक स्वस्थ प्रोस्टेट का संकेत है।

ै2023 न्तवसवहल ब्ंतम थ्वनदकंजपवदण् ।सस त्पहीजे त्मेमतअमकण्
ProstateCancer-Screening-FS-2023-Hindi

क्या प्रोस्टेट कैंसर की जांच मेरे लिए सही है?

– स्कोर में तेज वृद्धि होना समस्या होने का संकेत हो सकता है (पर जरूरी नहीं ये कैंसर हो)

- **बायोप्सी:** यदि डीआरई और पीएसए परीक्षण चिंता का कारण बनते हैं तो ऊतक का एक नमूना प्रोस्टेट से निकाल दिया जाता है। अन्य कैंसर कोशिकाओं का पता लागाने और उनके निदान के लिए माइक्रोस्कोप के तहत इसकी समीक्षा की जाएगी।

प्रोस्टेट कैंसर के संकेत और लक्षण क्या हैं?

शुरुआती अवस्था में कोई लक्षण नजर नहीं आते हैं।

मध्यवर्ती अवस्था में मूत्र संबंधित समस्याएं होती हैं जैसे:

- पेशाब करने में परेशानी या धीमा मूत्र प्रवाह
- बार–बार मूत्र का आना
- दर्द या जलन

गैर कैंसर समस्याओं (जैसे प्रोस्टेटाइटिस और बीपीएच) के कारण भी ये लक्षण हो सकते हैं।

भारी जोखिम वाली अवस्था में भी मूत्र संबंधित समस्याएं होती हैं और निम्नलिखित समस्याएं इसमें शामिल हैं:

- श्रोणि के भाग में हल्का दर्द
- पेशाब में खून आना
- दर्द के साथ स्खलन
- कूल्हों, पीठ के निचले हिस्से या ऊपरी जांघों में दर्द
- भूख कम लगना और/या फिर वजन कम होना

परीक्षण के फायदे और नुकसान क्या हैं?

जैसे ही आप डॉक्टर से यह तय करने के लिए बात करते हैं कि क्या प्रोस्टेट कैंसर स्क्रीनिंग आपके लिए सही है, तो इससे परीक्षण के फायदे और जोखिम के बारे में पता चल सकता है। शुरुआती स्क्रीनिंग के लिए पीएसए और डीआरई दोनों का उपयोग करना सबसे अच्छा है।

प्रोस्टेट कैंसर परीक्षण के संभावित फायदे:

- एक सामान्य पीएसए परीक्षण आपके दिमाग को आराम पहुंचा सकता है।
- एक पीएसए और डीआरआई से प्रोस्टेट कैंसर का पता उसके फैलने से पहले ही लगाया जा सकता है।
- प्रारंभिक कैंसर उपचार बीमारी के फैलने की गति को धीमा कर सकता है।
- समय पर कैंसर का उपचार कई पुरुषों को लंबे समय तक जीने में मदद करता है।

प्रोस्टेट कैंसर परीक्षण के संभावित जोखिम:

- कभी–कभार पीएसए जांच के नतीजे कुछ गलत होने के बारे में बताते हैं, जबकि ऐसा नहीं (एक "गलत सकारात्मक") होता है और इसके चलते चिंता बढ़ती है, साथ ही अनावश्यक बायोप्सी करानी पड़ जाती है।
- सामान्य पीएसए जांच से कैंसर (एक "गलत नकारात्मक") का पता नहीं लगने की संभावना होती है।
- एक सकारात्मक पीएसए जांच से प्रोस्टेट कैंसर का पता चलता है, लेकिन यह धीरे–धीरे बढ़ रहा होता है और यह समस्या की वजह नहीं बनता है।

एक बायोप्सी और उपचार के संभावित जोखिम

बायोप्सी (कैंसर के निदान की पुष्टि के लिए एक सर्जिकल प्रक्रिया) के चलते रक्त बहना की समस्या या संक्रमण हो सकता है। सर्जरी, रेडिएशन, दवाओं या हॉर्मोन्स के साथ प्रोस्टेट कैंसर का उपचार समस्या की वजह बन सकता है। ज्यादातर नकारात्मक प्रभाव खुजाने की समस्या, मूत्र का रिसाव और/या आंत की समस्या हैं। पुरुषों को उपचार के जोखिमों और कैंसर के जोखिमों के बीच संतुलन बिठाना चाहिए। उदाहरण के लिए, धीरे–धीरे बढ़ने वाले कैंसर में विशेषकर बुजुर्गों के लिए उपचार की कोई जरूरत नहीं होती है।

यूरोलॉजी केयर फाउंडेशन के बारे में

यूरोलॉजी केयर फाउंडेशन दुनिया का प्रमुख यूरोलॉजिकल फाउंडेशन है और अमेरिकी यूरोलॉजिकल एसोसिएशन की आधिकारिक नींव है। हम मूत्र संबंधी स्वास्थ्य के प्रबंधन के लिए सक्रिय रूप से तैयार लोगों और स्वास्थ्य परिवर्तन के लिए तैयार लोगों के लिए जानकारी प्रदान करते हैं। हमारी जानकारी अमेरिकन यूरोलॉजिकल एसोसिएशन संसाधनों पर आधारित है और चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा इसकी समीक्षा की जाती है।

अधिक जानकारी के लिए, यूरोलॉजी केयर फाउंडेशन की वेबसाइट **UrologyHealth.org/UrologicCondition** पर जाएँ या अपने निकट किसी डॉक्टर से मिलने के लिए हमारी वेबसाइट **UrologyHealth.org/FindAUrologist** पर संपर्क करें।

अस्वीकरण

यह जानकारी स्व–निदान के लिए कोई उपकरण या किसी पेशेवर चिकित्सा सलाह का विकल्प नहीं है। उस प्रयोजन के लिए इसका उपयोग नहीं करना चाहिए या इस पर निर्भर नहीं होना चाहिए। कृपया अपनी स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के बारे में अपने मूत्र रोग विशेषज्ञ या स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने वाले से बात करें। दवाइयों सहित किसी भी उपचार को शुरू करने या रोकने से पहले हमेशा एक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने वाले से परामर्श करें।

प्रोस्टेट कैंसर और अन्य मूत्र संबंधी स्थितियों के बारे में मुद्रित सामग्री की प्रतियों के लिए हमारी वेबसाइट **UrologyHealth.org/Order** पर जाएं या 800–828–7866 पर कॉल करें।